

Table of Contents

THOUGHTS

CATEGORIES OF MIND

CATEGORY 2

AMBIGUOUS

AWAY

NEUTRAL

POSITIVE

3

3

4

7

8

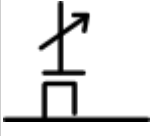
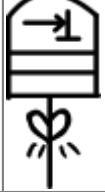
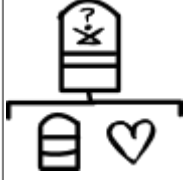
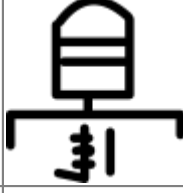
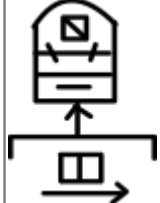
8

8

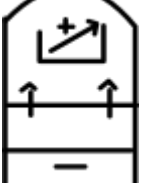
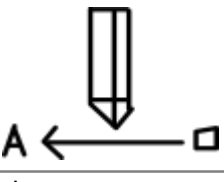
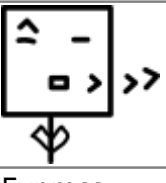
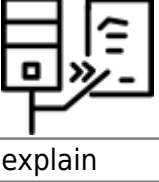
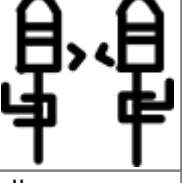
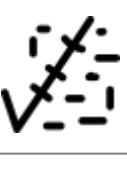
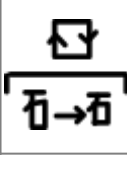
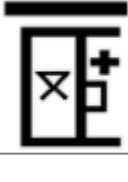
THOUGHTS

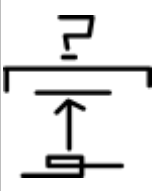
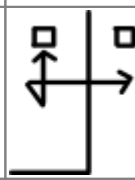
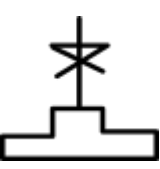
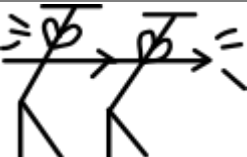
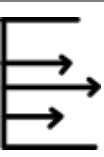
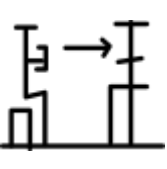
CATEGORIES OF MIND

रवैय्या)	पेशा	मिजाज)	शख्सियत	बर्ताव
सलाहीयत	समझ)	competency	इमकानीयत	हुनर
	cheat			
मोहित करना	धोखा देना			
			common sense	
स्वभाव (तबा	(पूर्वज्ञान) पेशगोइ	अक्ल)	common sense	समझ)
wisdom				
Reasoning	Logic			
चेतना (होश)	conscientiousness	जानना	जागरूकता (आगाह)	
		mental representation		
अवधारणा (तसव्वुर)	विचार (खयाल)	Mental representation	Idealize	perfect

				
समस्या (मसला)	परिस्थिति (हालत)			
				
निर्णय (फैसला)	volition	determination	liberty	प्रतिज्ञा (आज़ाम)
				
इच्छा (इरादा, मर्जी)	freewill	readiness	संकल्प (नियत)	
				
discrepancy	संदेह (शक)	skepticism		
				
कृतत्व (तखलिकीयत)	स्वप्न (स्वाब)	रचना		
				
प्रत्यभिज्ञान (पहचानना)	identify	recall	remember	recollect
				
स्मृति (यादाश्त)				
				
इंद्रिय (हिस)	अनुभूति (एहसास)	प्रत्यक्ष (इद्रक)	अनुभव (तजुर्बा)	विवेक (शिनाखत)

CATEGORY 2

					
cautious	ultimatum	beware	warn		
					
agree					
				guess	
calculate	estimate	approximate	optimize	guess	
				hint	
imply	signal	indicate	denote	hint	
					
control	manage	maintain	regulate	handle , tackle	
					
Express	define	describe	illustrate	demonstrate	
					
explain					
					
disagree					
					

Erase	delete	remove	without		
					
analysis	evaluate	solve			
					
forecast	probability	Suppose			
					
introspection	insight				
					
abandon	abdicate	relinquish	leave	forsake , banish	
					
practice	persistence	perseverance	diligence	compete	
try	chase				
					
					
reject	ignore	deny	refuse	dismiss	
					
neglect					

seek	search	find			
Form	mould	model	shape	statue	
foolishness	stupid	idiot	awkward		
	self respect				
value	self respect	dignity	honor	Self-esteem	morality

	सोचना, कल्पना करना	
	मगन, मग्न, लीन, विलीन, अनुराग, अंतर्लीन, ध्यान, होशियार, चौकन्ना, चौकस, मशगूल	
	प्रबोध, अंतर्दृष्टि	एहसास, महसूस,

AMBIGUOUS

	भ्रमित, भ्रष्ट	उलझित, पहेली, उलझन
	शंका, आशंका, संकोच	शक, अंदेशा
	प्रतिरक्षा, विरोध, अनिच्छा	झिझक, हीचकिचाना, मुखातिफ

AWAY



मुक्ति , त्याग , मोक्ष छुटकारा , चैन , सुकून , आराम , खिदमत , लापरवाह , आजादी

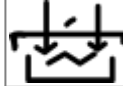
NEUTRAL

लोग अक्सर गलत काम करने के बाद किसी ना किसी तरीके से इसका छुटकारा पान चाहते हैं , कोई जान बूझ कर गलत काम करता है तो कोई गलती से गलत काम करता है । जो जान बूझ कर करता है उसे हमेशा भागने कि पड़ी रहती है और उसके दिल में डर भि रहता है कि कोई उसे पकड़ ना ले , जिसने गलती से गलती कि है उसे उसका पछतावा होता है लेकिन फिर भी वो चाहता है कि उसे इससे छुटकारा मिले थोड़े लोग प्रायश्चित्त करते हैं तो थोड़े लोग चालाकी से बच निकलते हैं, बच निकालने वाले को कभी भि आत्मा शांति नहीं मिलती लेकिन प्रायश्चित्त करने वाले को शांति अवश्य मिलती है



धैर्य , प्रतीक्षा

इंतजार ,



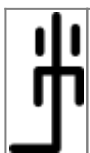
पवित्र, पवित्र, ईश्वरीय, पवित्र, धार्मिक, गुणी, स्वच्छ, शुद्ध, धर्मी

बेदाग , मजहबी

POSITIVE

हमारे दिमाग कि भावदशा समय समय पर बदलते रहती हैं इसीलिए यह कहना मुश्किल है कि कोई आदमी दुखी है या सुखी है बिना उसकी वजह जाने बिना । दो प्रकार एक मिजाज देखे जा सकते हैं खुश मिजाज और दुखी मिजाज और ना खुश ना दुखी , कभी कभी गरम मिजाज का आदमी भी कहा जाता है और ठंडे मिजाज का आदमी का भि प्रयोग किया जाता है मतलब ठंडे दिमाग वाले को गुस्सा जल्दी नहीं आता पर गरम मिजाज के आदमी को गुस्सा जल्दी आ जाता है ।

सुखी रहने या खुश रहने के की कारण हो सकते हैं लेकिन असली खुशी हमें तभी मिलती है जब हमारा शरीर पूरी तरह स्वस्थ और तंदुरुस्थ रहता है ।



like

पसंद करना

स्वीकृति

जिम्मेदारी, जवाबदेही

- आदत
- धोखा

From:

<http://www.source.mantrakshar.co.in/> - Kshtrgyn

Permanent link:

http://www.source.mantrakshar.co.in/doku.php/ur/mantrakshar_thoughts

Last update: 2023/06/22 12:26

